बांग्लादेश में भारतीय वशिेष आर्थकि क्षेत्र नर्मिाण में उत्पन्न अवरोध

संदर्भ

भारत द्वारा बांग्लादेश के तीन स्थानों पर वशिेष आर्थकि क्षेत्र (Special Economic Zone - SEZ) स्थापति करने की परयिोजना को वर्तमान में गंभीर अवरोधों का सामना करना पड़ रहा है। वास्तव में बांग्लादेश में भारत के लयि तय इन स्थानों पर मूलभूत बुनयिादी सुवधिाएँ, जैसे नर्बिाध रूप से वद्यिुत आपूर्ति का न होना, इन स्थानों की वाणज्यिकि रूप से वहनीयता को प्रभावति करती हैं।

मुख्य बदिु

- ये तीन वशिेष आर्थकि क्षेत्र- मोंगला, बहरामारा एवं मरिसराय में प्रस्तावति हैं। इनमे से मोंगला भारतीय सीमा पोस्ट, पेट्रापोले-बेनापोले एकीकृत चेक पोस्ट के नज़दीक अवस्थति है।
- बांग्लादेश एवं भारत के मध्य यह समझौता जून 2015 में भारतीय प्रधानमंत्री की बांग्लादेशी यात्रा के समय हुआ था।
- इन तीनों एस.ई.ज़ेड. की व्यवस्था भारत के द्वारा सुवधिापूर्ण लाइन ऑफ क्रेडटि (concessional Line of Credit) के तहत बांग्लादेश को दी जाएगी।
- एस.ई.जेड. में नविश को आकर्षति करने के लयि बांग्लादेश ने आयकर, वैट, सीमा शुल्क और स्टांप ड्यूटी में छूट के साथ एफ.डी.आई. पर सीमा शुल्क को खत्म करने व कार्य परमटि आदविशिेष सुवधिाएँ देने की बात की थी।

भारत की मांग क्या है?

- भारत की मुख्य मांग बुनयिादी सुवधिाओं की है, जसिसे ये स्थान उद्योग की अवस्थापना हेतु उपयुक्त बन पाएँ।
- भारतीय पक्ष का यह भी कहना है कि उसे कोई वैकल्पकि स्थान दलिवाया जाए जो चटगाँव पोर्ट के आसपास हो, जैसे बांग्लादेश की तरफ से चीन को बनाने के लयि दएि गए एस.ई.जेड. इसी पत्तन के आसपास हैं।

नष्किर्ष

भारत सरकार ने तत्काल प्रभाव से कंपनयिों को संयम बरतने की सलाह देते हुए यह आश्वाशन दयिा है कि जून के अंत तक इस वषिय को बांग्लादेश सरकार के समक्ष रखा जाएगा। इसके अतरिक्ति, भारत बांग्लादेश को 5000 मेगावाट बजिली देने पर भी वचिार कर रहा है, जसिमें भारत-बांग्लादेश की संयुक्त उद्यम वाली ‘रामपाल बजिली परयिोजना’ की 1200 मेगावाट बजिली भी शामलि होगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-special-economic-zone-in-bangladesh